श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष-2, अंक-34 | 25 अप्रेल, 2019 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ-16 | मूल्य 5/- प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

अहं को त्याग कर समाज के लिए जीएँ

अगर व्यक्ति अपने आपको इस समाज का, इस राष्ट्र का और समस्त जनता का एक पुर्जा मानकर, एक अंग समझकर चले तो कोई समस्या ही नहीं रहेगी। ऐसे व्यक्ति का हर कदम, हर कार्य, प्रत्येक वचन नपा-तुला आत्म-चिन्तन से जुड़ा तथा पर-हित-चिन्तन से युक्त होगा। मुझे कितना चलना है, कैसी प्रवृत्ति करनी है, कितनी गति और प्रगति करनी है-इन सब बातों को सोचकर अर्थात् अपना स्वयं का आकलन समाज को सामने रखकर करना ही समस्याओं का सही निदान है। जब प्राणी का चिन्तन इस दिशा में बढ़ेगा और जीवन-शैली इसी विचार से चलेगी तो समाज में प्रदर्शन की भावना समाप्त हो जाएगी। न बाह्य आडम्बर रहेंगे और न परेशानियाँ पैदा होंगी।

अध्यक्ष की कलम से

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र !

आप हम सभी अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक के समर्पित संघ सदस्य हैं। हम संघ के बारे में एवं स्वयं के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त करें, यह हमारा नैतिक दायित्व है। रत्नसंघीय पट्ट परम्परा के अष्टम पट्टधर जिनशासन गौरव परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म. सा. के प्रति श्रद्धा रखने वाले श्रावक-श्राविकायें सम्पूर्ण भारत वर्ष में निवास करते हैं। यात्रा के साधन व संचार व्यवस्था के साधन बढ़ जाने के बावजूद भी विभिन्न, पारिवारिक व व्यावसायिक जिम्मेदारियों के कारण अनेक श्रावक-श्राविकायें चाहते हुए भी संघ-सेवा एवं धर्म-आराधना के लाभ से वंचित रह जाते हैं। अपने क्षेत्र में संत-सती वर्ग का जब विचरण विहार होता है तब उस क्षेत्र के श्रावक-श्राविकायें आपस में परिचय नहीं होने के कारण समय पर विचरण विहार की सूचना भी प्राप्त नहीं कर पाते, जिसके कारण श्रावक-श्राविकाएं संत-सती वर्ग की सेवा और धर्म-लाभ से वंचित रह जाते हैं। अतः हमें विचार करना चाहिये कि क्या रत्न संघीय श्रावक-श्राविकायें परस्पर एक-दूसरे को जानते पहचानते हैं? हम कितने सदस्य हैं, कहाँ रहते हैं? हमारी और हमारे श्रावक-श्राविकाओं की धर्म के किस क्षेत्र में रुचि है, किस विषय में वो आगे बढ़ना चाहते हैं? समान धर्म एवं समान विषय पर रुचि रखने वाले श्रावक-श्राविकायें देश-विदेश में कहां निवास कर रहे हैं? इसकी जानकारी से हम स्वयं कैसे एक-दूसरे को लाभान्वित कर सकते हैं? कैसे हम संत-सती वर्ग की सेवा का लाभ अधिक से अधिक प्राप्त कर सकते हैं और अन्य श्रावक-श्राविकाओं को ऐसा लाभ दिलाने में सहयोग कर सकते हैं?

आधुनिक शिक्षा व शहरी आबादी के बढ़ने से, एकल परिवारों के बढ़ने से, पति-पत्नी, दोनों के नौकरी या व्यवसाय में संलग्न होने से तथा समय के अभाव में स्वयं के मूल परिवार से दूर रहने के कारण परिवार से सतत मिलने वाले संस्कारों से, छोटी उम्र से ही वंचित हो जाते हैं। ऐसे परिवार ज्ञान, संस्कार से दूर हो जाते हैं और अपने प्राप्त होने वाले धर्म लाभ से भी वंचित हो जाते है, अतः संघ का कर्तव्य है कि संघ प्रत्येक परिवार तक नहीं बल्कि प्रत्येक श्रावक-श्राविका तक स्वयं पहुँचे। संघ प्रत्येक श्रावक-श्राविका को अपने "रत्न संघीय" सदस्य होने का ज्ञान करायें और प्रत्येक श्रावक-श्राविका को जैन धर्म से जोड़ने का अभिनव प्रयास करें। संघ निरंतर यह प्रयास करें कि "रत्न संघीय" श्रावक-श्राविका, देश-विदेश में कहाँ-कहाँ निवास कर रहे है,वे किस व्यवसाय अथवा सेवा से जुड़े हुए हैं? संघ समान व्यवसाय एवं समान सेवा वाले श्रावक-श्राविकाओं को एक-दूसरे से परिचित कराकर श्रावक- श्राविकाओं की रुचि को ध्यान में रखते हुए उनकी रुचि के अनुसार विशेष सभा व धर्म सभाओं का आयोजन कर श्रावक-श्राविकाओं एवं युवक-युवतियों को धर्म लाभ प्रदान करें।

इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये आवश्यक है कि संघ "रत्न संघीय" श्रावक-श्राविकाओं, युवक-युवतियों की एक सूची (Directory) बनाये। श्रावक

-श्राविकाओं, युवक-युवतियों की सूची (Directory) से, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, योजनाबद्ध तरीक़े से संघ के उद्देश्यों को प्राप्त करने में अत्यधिक सरलता होगी। आँकड़ों का संकलन (Data Base) किसी भी कार्य को व्यवस्थित रुप प्रदान करने का मूल आधार है। सही व पूर्ण जानकारी के अभाव में संघ की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार व श्रावक-श्राविकाओं को धर्म से जोड़ने में अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है इसलिए संघ का प्राथमिक लक्ष्य है कि हमारा डाटा बेस अच्छे से तैयार हो, इस हेतु आप सभी संघ सदस्यों का सहयोग अपेक्षित है।

संघ, आप सभी श्रावक-श्राविकाओं, युवक-युवतियों के सहयोग से संघ के श्रावक-श्राविकाओं की यथा सम्भव पूर्ण आवश्यक जानकारी की सूची "ऑन लाइन" उपलब्ध कराने का प्रयत्न कर रहा है। इस सूची से सभी श्रावक-श्राविकाएं रत्न संघीय गतिविधियों की जानकारी के साथ धर्म एवं दर्शन का ज्ञान, संत-सतियों के विचरण-विहार, सत्संग, प्रवचन, धर्म साहित्य, धार्मिक क्रिया, शास्त्रीय शब्दों का सही उच्चारण जैसी अनेक जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

संघ का उद्देश्य है कि प्रत्येक श्रावक-श्राविका तक पहुँच कर उनको संघ से जुड़ने की प्रेरणा दी जाए तथा वे संघ सदस्य हमारे धर्म गुरु संघ नायक के श्रीचरणों में पहुँच कर उनसे पावन प्रेरणा प्राप्त कर सके। इस कार्य को अंजाम देने में आप सबका सहयोग अपेक्षित है। अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, सुदृढ़, सुव्यवस्थित, सूचना संपन्न होने के साथ ही संघ के प्रत्येक श्रावक-श्राविका से यह आशा करता है कि वे आचार्यप्रवर, उपाध्यायप्रवर एवं संत-सती वर्ग की सेवा में पूर्ण रुपेण समर्पित होकर संघ-सेवा में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

आचार्यप्रवर पूज्य गुरुदेव ने वर्ष 2019 के अधिकांश चातुर्मास 13 अप्रेल 2019 को घोषित कर दिए हैं। शेष रहे वर्षावास भी निकट भविष्य में यथासमय स्वीकृत होंगे, परन्तु हम चातुर्मासों को सफल बनाने के लिए परस्पर प्रेम-मैत्री-सहयोग के साथ संघ की रीति-नीति को ध्यान में रखकर एकता-एकरूपता प्रदर्शित कर सकें तो हमारे चातुर्मास सफलता की ओर अवश्य अग्रसर होते जाएंगे। हम-सब सच्चे अर्थो में संघ के अंग बनें तो निश्चित रूप से संघ की प्रवृत्तियों के पोषण, गतिविधियों के संचालन एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में हमें आनन्द की अनुभूति के साथ संघ-सेवा का संतोष भी मिलेगा।

आशा है मेरे संकेत रूप अनुरोध को आप जीवन-व्यवहार में चरितार्थ कर संघ-दीप्ति में अपनी भूमिका व भागीदारी का परिचय देंगे। संघ में अनेकानेक अच्छाइयाँ हैं फिर भी कहीं-न-कहीं कोई कमी यदि अनुभव में आए तो आप व्यक्तिशः मुझे निःसंकोच लिखने में कभी संकोच नहीं करें। मैंने आप-सबकी सहमति से जिस दायित्व को सम्भाला है, दायित्व-निर्वहन में आपका सहकार मुझे सम्बल देगा, यह मानकर मैं आपके सुझाव सादर आमंत्रित करता हूँ। इति शुभम्।

आपका अपना
प्रकाश टाटिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

विचरण विहार

(दिनांक 23.04.2019 .की स्थिति)

☆ परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा
तिलक नगर, पाली–मारवाड़

☆ परमश्रद्धेय उपाध्यायप्रवर पं.रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा
शक्तिनगर, जोधपुर (राज.)

☆ सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. आदि ठाणा **वनमबाड़ा (गुज.)**

☆ तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा **पावटा, जोधपुर(राज.)**

☆ श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. आदि ठाणा **सिरोही (राज.)**

☆ साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
इस्कॉन मन्दिर रोड, जयपुर(राज.)

☆ विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
पुष्कर रोड़, अजमेर (राज.)

☆ विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा
नालासोपारा, मुंबई (महा.)

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.आदि ठाणा **बुभानिया गांव (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा **पाली–मारवाड़ (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा
घोड़ों का चौक, जोधपुर (राज.)

☆ व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा **के.जी.एफ. (कर्ना.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. आदि ठाणा **मीणों की ढाणी (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा **रतलाम (म.प्र.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा **हुबली (कर्ना.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **लहरोदा गांव (हरि.)**

☆ सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **नामपुर (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री पुष्पलताजी म.सा. आदि ठाणा **दूदू (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा **बैंगलुरु (कर्ना.)**

☆ महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **बुलढाणा (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **हा.बोर्ड,जोधपुर (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा **पावटा, जोधपुर (राज.)**

सभी संत-सती मण्डल के रत्नत्रय की साधना में सहायक स्वास्थ्य में समाधि है तथा विचरण विहार सुख-शांति पूर्वक चल रहा है।

परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर द्वारा सन् 2019 (संवत् 2076) के कतिपय चातुर्मासों की घोषणा

जिनशासनगौरव, आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. के निर्देशानुसार सरसव्याख्यानी महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. द्वारा दिनांक 13 अप्रेल 2019 को विक्रम संवत् 2076, ईस्वी सन् 2019 के साधु मर्यादा में रखने योग्य आगारों के साथ अभी तक घोषित चातुर्मासों का विवरण इस प्रकार है-

शक्तिनगर, जोधपुर– उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा
मणिनगर, अहमदाबाद - सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनि जी म.सा. आदि ठाणा
नेहरु पार्क, जोधपुर– तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनि जी म.सा. आदि ठाणा
प्रतापनगर, जयपुर– साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
वैशाली नगर, अजमेर– विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवर जी म.सा. आदि ठाणा
बारनी, जिला–जोधपुर– व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवर जी म.सा. आदि ठाणा
किलपाक, चेन्नई- व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबाला जी म.सा. आदि ठाणा
जवाहरनगर, जयपुर– व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलता जी म.सा. आदि ठाणा
जलगांव (महा.)– व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलता जी म.सा. आदि ठाणा
बीजापुर (कर्नाटक)– व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवती जी म.सा. आदि ठाणा
भरतपुर (राज.)– व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा
कजगांव (महा.)– सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा
हुबली (कर्नाटक.)– व्याख्यात्री महासती श्री रुचिता जी म.सा. आदि ठाणा
अमलनेर (महा.)– व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा
धुलिया (महा.)– व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा

गुलाबपुरा एवं सरवाड़ क्षेत्र खाली नहीं रहेगा।

आचार्य भगवन्त के चरणरज से पावन हुई पाली

श्रमण संस्कृति के तेजस्वी-वर्चस्वी-यशस्वी जिनशासन गौरव, आगमज्ञ, प्रवचन प्रभाकर, ज्ञानसुधाकर, गुणरत्नाकर, दिव्य दिवाकर, सामायिक-शीलव्रत-रात्रि भोजन त्याग-व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर पूज्य श्री 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. महान अध्यवसायी, सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्र मुनि जी म.सा. आदि ठाणा एवं व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवर जी म.सा., सेवाभावी महासती श्री विमलावती जी म.सा. आदि ठाणा के विराजने से पुण्य धरा पाली में धर्माराधना-ज्ञानाराधना व तपाराधना का सुन्दर प्रसंग बना हुआ है।

दैनिक कार्यक्रम के अन्तर्गत श्रद्धेय श्री रवीन्द्र मुनि जी म.सा. प्रातः कालीन प्रार्थना करवाने का दायित्व संभाले हुए हैं। प्रवचन पूज्य गुरुदेव के शिष्यरत्न श्रद्धेय श्री योगेश मुनि जी म.सा. एवं महान अध्यवसायी, सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्र मुनि

जी म.सा फरमा रहे हैं। दोपहर समय शास्त्र वाचनी सरल व सरस शैली में महान अध्यवसायी मुनि श्री द्वारा विवेचन व गूढ़ भावों के साथ फरमाई जा रही है। उभय काल प्रतिक्रमण व रात्रिकालीन संवर आराधना का लाभ श्रद्धालु गुरु भक्त पावन प्रवास में लेने का लक्ष्य रखे हुए हैं।

28 मार्च को भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक व आचार्यप्रवर का 81वाँ जन्म दिवस तप-त्याग व व्रत प्रत्याख्यान की आराधना के साथ पूर्ण उत्साह व उमंग से मनाया गया। महान अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्र मुनि जी म.सा. की प्रभावी प्रेरणा से पूर्व से ही 80 से अधिक भाई/बहिन वर्षीतप की आराधना पूज्य आचार्य भगवन्त के 80वें जन्म दिन से पाली शहर में कर रहे हैं। वर्तमान में 81वें जन्म दिवस पर 81 भाई/बहिन एकान्तर तप की लघु आराधना का अर्घ्य अर्पित करें-जो अक्षयतृतीया तक प्रवाहमान रहे। पाली वालों ने प्रेरणा से प्रेरित हो, तपाराधना प्रारम्भ करने का संकल्प लिया। फलस्वरुप 100 से अधिक भाई/बहिन 40 दिवसीय मिनी एकान्तर तप की आराधना कर श्रद्धा भक्ति का सुन्दर आदर्श प्रस्तुत कर धन्यता का अनुभव कर रहे हैं। संघ सेवा में समर्पित युवारत्न श्री राजकुमार जी गोलेच्छा ने बताया कि यहाँ पाली में बुजुर्गो के आशीर्वाद व सामंजस्य वाली भावना से वर्षीतप करने वाले समस्त तपस्वियों के सामूहिक पारणे सुराणा मार्केट स्थित सामायिक-स्वाध्याय भवन के अतिथि कक्ष में करने की स्वस्थ परम्परा प्रमोद भाव से निर्बाध चल रही है। वास्तव में सामूहिक पारणों के स्वरुप का विहंगम परिदृश्य यहाँ अक्षय तृतीया जैसा हर एक दिन के बाद प्रत्यक्ष में दिखने को मिल रहा है। 29 मार्च को अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन दिवस था। कार्याध्यक्ष श्रीमती बीनाजी मेहता के अनुसार कार्यकारिणी की 125 के लगभग सदस्याओं व पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। देश के हर प्रान्त व क्षेत्र से श्राविकाओं की सहभागिता रही।

1 अप्रेल को मासक्षपण की आराधना का जीवन पर्यन्त अधिकतम लक्ष्य रखने वाले तपस्वी श्री नवरतन जी लुंकड जयपुर ने परमाराध्य पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि व दर्शन वंदन का लाभ लिया। 2 अप्रेल को चैन्नई से चिंतादरीपेट संघ चातुर्मास की विनति लेकर पूज्यपाद की सेवा में उपस्थित हुआ। 3 अप्रेल को शासन प्रभाविका विदुषी महासती श्री यशकंवर जी म.सा. की सुशिष्या महासती श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा., महासती श्री किरणप्रभा जी म.सा., महासती श्री सुप्रज्ञा जी म.सा., संघ शास्ता पूज्यप्रवर की सेवा में पधारीं। दर्शन वंदन के साथ स्वास्थ्य समाधि की सातापृच्छा कर संत सन्निधि की सेवा का लाभ लिया। इसी दिन जोधपुर से समन्वयनगर जैन श्रावक संघ के पदाधिकारीगण परमोपकारी पूज्य गुरुदेव के चरणों में चातुर्मास के लिये विनति वाले भाव निवेदन करने आये। 5 अप्रेल को ज्ञानगच्छीय संत श्रद्धेय श्री धन्नामुनि जी म.सा., श्रद्धेय श्री प्रदीप मुनि जी म.सा. आदि ठाणा सातापृच्छा की भावना से पूज्यवर्य की पावन सेवा में पधारे। 6 अप्रेल को अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्त्ताओं की पहली कार्यकारिणी मीटिंग राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष जी मेहता की अध्यक्षता में पाली में हुई। युवारत्नों को श्रद्धेय श्री योगेश मुनि

जी म.सा. का मंगल उद्‌बोधन सुनने का सौभाग्य मिला। 7 अप्रेल को जयपुर गुलाबी नगरी से युवारत्नों का समूह प्रशांत-विभूति पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि में ऊर्जा के सूत्र लेने की भावना से उपस्थित हुआ। एक साथ 52 युवाओं द्वारा की गई सविधि वंदन का दृश्य मनोहारी व प्रभावकारी रहा। युवा बन्धुओं ने अनुशासनबद्ध होकर दिवस भर सेवा भक्ति का अलभ्य लाभ लिया। 8 अप्रेल को कजगांव संघ चातुर्मास की पुरजोर विनति लेकर कल्याणकारी पूज्य भगवन्त की सेवा में आया। 9 अप्रेल को जोधपुर से घोड़ों का चौक संघ व जयपुर से मालवीय नगर संघ ज्ञान महोदधि पूज्य श्री की सेवा में चातुर्मास वाले भाव निवेदन करने उपस्थित हुए। जोधपुर संघ की यह प्रबल भावना थी कि आप श्री स्वास्थ्य कारण की दृष्टि से जोधपुर संघ को ही उपकृत करावें। 10 अप्रेल को श्रमण संघीय प्रवर्तक श्रद्धेय श्री सुकन मुनि म.सा. अपने सहवर्ती संतों के साथ पूज्य आचार्य भगवन्त की सेवा में साता समाधि की पृच्छा करने पधारे। परस्पर चले आ रहे सौहार्द सम्बन्धों की स्मृति के प्रसंगों का उल्लेख भी हुआ। पूज्य गुरुदेव की भावनानुसार सेवा में रत शिष्य रत्न श्रद्धेय श्री मनीष मुनि जी म.सा. व श्रद्धेय श्री देवेन्द्र मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-2 ने सेवाभावी श्रद्धेय श्री नंदीषेणमुनि जी म.सा. आदि ठाणा-2 की सेवा में पहुंचने के लक्ष्य से इस दिन पाली से विहार किया। किशनगढ़ निवासी कुम्भट परिवार से अनन्य गुरु भक्त श्री मदनसिंह जी कुम्भट के पौत्र एवं श्री प्रतापमल जी कुम्भट के पुत्र रत्न श्री श्रेयांस जी कुम्भट के अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा में चौथी वरीयता प्राप्त करने के उपलक्ष्य से परिवार जन उदीयमान पुत्ररत्न को पूज्य भगवन्त की पावन सेवा में दर्शन करवाने, मांगलिक श्रवण करवाने व हित-मित दिशा-निर्देश दिलवाने की भावना से आये। संघ ने पूज्य गुरुदेव के चातुर्मास की विनति भगवन्त के चरणों में रखी। 11 से आयम्बिल ओली की आराधना प्रारम्भ हुई। कोसाणा संघ पूज्य आचार्य भगवन्त के चरणों में विगत 2 वर्ष से चातुर्मास की विनति लेकर समय-समय पर उपस्थित होता रहा है। आज भी कोसाणा संघ अपनी अंतरंग भावना के साथ भगवन्त की सेवा में उपस्थित हुआ।

12 को बैंगलोर संघ, पीपलियाकलां संघ, कोसाणा संघ, अमलनेर संघ, जलगांव संघ, जोधपुर से दिग्विजय नगर संघ चातुर्मास की कृपा बरसाने वाले भाव निवेदन करने संघ शिरोमणि पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि में आये। 13 अप्रेल को विक्रम संवत 2076 के चातुर्मास की स्वीकृति फरमाये जाने का निर्णायक दिन था। चैन्नई, बैगलोर, मुम्बई, हुबली, अमलनेर, कजगांव, बीजापुर, मण्डिया, जलगांव, धुलिया, अहमदाबाद, जयपुर, जोधपुर, कोसाणा, सवाई माधोपुर, हिण्डोल, खेड़ली, भरतपुर, देई, अजमेर, गोटन, पीपलिया कला, ब्यावर, पीपाड़, बारणी खुर्द आदि अन्यान्य क्षेत्रों से संघ अपने भाग्य का फैसला सुनने की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे थे।

श्रद्धेय श्री विनम्रमुनिजी म.सा. ने चातुर्मास की उपादेयता पर योग और प्रयोग दो शब्दों के माध्यम से चातुर्मास के हार्द को समझाया। आपको चार दुर्लभ चीजें भी वर्तमान में सुलभ है। इनका योग मिला हुआ है तथा आज चातुर्मास का योग भी मिलने

जा रहा है। प्रायः कर हर साल मुनि मिलते हैं पर मन नहीं बदला। सतियों का योग मिलता है, पर मति नहीं बदली। माल का महत्व समझा है पर माला को नहीं अपनाया। तर्क से समस्या का समाधान नहीं होता। मन केन्द्रित नहीं है तो आराध्य को नहीं पा सकते। धर्मस्थान के महत्व को समझो और धर्मस्थान में ही धर्माराधना करने का लक्ष्य रखें। पुण्यवानी से आपको सब बेस्ट मिले हैं, मिले योग का पुरुषार्थ कर सदुपयोग करने का प्रयोग करें।

श्रद्धेय श्री योगेश मुनि जी म.सा. के प्रवचन नवपद की आराधना के संदर्भ में चल रहे हैं। आज संयोग से आराधना का तृतीय दिवस 'नमो आयरियाणं' था। फरमाया कि उपकारियों के उपकारों के गुणगान करने का आज का दिन है। जिसका आचरण आदर्श हो वह आचार्य है। आचार्य की दृष्टि सुदृष्टि होती है वे ऊपर के दो पदों के आदर्शों का अनुसरण कर निर्मल संयमी जीवन का आदर्श प्रस्तुत करते हुए नीचे के दो पदों से शुद्ध पालना करवाने में सजगता रखते हैं। चतुर्विध संघ का संचालन सबको साथ लेकर करते हैं। आचार्य बाहर से धवल है तो अंतर से उज्ज्वल है। आज अनेक संघ भगवन्त के चरणों में क्षेत्र की भावना के साथ उपस्थित है। जिनशासन की मर्यादा के साथ अनुशासन में रहने का सभी संघ ध्यान रखें।

सुराणा मार्केट स्थित सामायिक स्वाध्याय भवन का विशाल परिसर आज समूचा खचाखच भरा हुआ था। आगत श्रद्धालु भाई/बहिन आकाश में विकास कर सामायिक साधना के साथ शांतिपूर्वक विराजे हुए थे कि क्षेत्र पर अनुकम्पा वर्षण वाली घड़ी का संकेत हुआ। विराजमान आत्मलक्ष्यी पूज्य गुरुदेव ने महान अध्यवसायी मुनि श्री जी को चातुर्मास की घोषणा किये जाने का निर्देश दिया।

भूमिका के साथ श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. ने आज्ञा शिरोधार्य करते हुए फरमाया कि जिन शासन जयवंत है। संयोग से आज आचार्य की आराधना का दिवस है। साथ ही चातुर्मास का निर्णय सुनने की भावना से आप पधारे हैं। चातुर्मास 20-22 हो सकते हैं, विनतियां 60 से ऊपर है। सबको एक साथ लाभ मिल पाना संभव नहीं है। चातुर्मास पाने वाले ज्ञान-दर्शन की आराधना करें। नहीं मिलने पर निराश न हो, उत्साह बनाये रख धर्माराधना करते रहना है। चातुर्मास जहां मिल रहे हैं, वे संघ रत्नसंघ की समाचारी व मर्यादा का पालन करें।

द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव व साधु मर्यादा के समस्त आगारों के साथ चातुर्मास स्थलों की स्वीकृति की जा रही है। स्वास्थ्य व विशेष कारण से संत-सतियों में परिवर्तन व परिवर्धन का अधिकार पूज्य गुरुदेव ने सुरक्षित रखते हुए जो निर्देश दिया, तद्नुसार विक्रम संवत 2076 के चातुर्मास स्थल घोषित किए गए। (सूची इसी अंक में अलग से दी गई है।)

पूज्य आचार्य भगवन्त का चातुर्मास स्वास्थ्य कारण से वर्तमान में विचारणीय है। सरवाड़ व गुलाबपुरा क्षेत्र खाली नहीं रहेगा। शेष रहे चातुर्मासों की घोषणा यथा समय किये जाने की भावना है। चातुर्मासों की स्वीकृति के साथ ही जयनिनाद के स्वर गुंजायमान हो उठे।

परम श्रद्धेय पूज्य आचार्य भगवंत ने मांगलिक फरमाने से पूर्व तिक्खुत्तो के पाठ में शुद्ध उच्चारण पर ध्यान आकर्षित कर ख्याल दिलाया कि ''मत्थएण वंदामि'' बोलने का ध्यान रखावें। आज उपवास, एकासन, आयम्बिल की आराधना अच्छी संख्या में हुई। संघ मंत्री श्री रजनीश जी कर्णावट ने धर्म सभा में कुशल संचालन करते हुए अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव पर अधिक से अधिक संख्या में तपस्वी भाई/बहिनों से पाली पधारने के लिये आग्रह पूर्ण निवेदन किया। संघाध्यक्ष श्री छगनलाल जी लोढ़ा ने आगत संघों व गुरुभक्तों का पाली पधारने पर आभार अभिव्यक्त किया।

13 व 14 अप्रेल को पाली शहर में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की संचालन समिति की बैठक राष्ट्रीय संघाध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाशजी टाटिया की अध्यक्षता में हुई। अध्यक्ष जी ने हर सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों से खुलकर चर्चा की एवं कार्य योजना के सम्पादन के लिये समुचित दिशा-निर्देश दिए।

17 अप्रेल को भगवान महावीर का जन्म कल्याणक तप-त्याग के साथ मनाया गया। 200 के लगभग उपवास व आयम्बिल-एकासन की आराधना हुई। महान अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा., श्रद्धेय श्री योगेश मुनि जी म.सा. व सेवाभावी महासती श्री विमलावती जी म.सा. ने भगवान महावीर के गर्भावस्था, युवावस्था, छद्मस्थ काल व विनय, श्रद्धा, दर्शन, सहनशीलता, निर्भयता, विशुद्ध ज्ञान पर विशेष प्रवचनामृत फरमाया।

ज्ञानगच्छ के वरिष्ठ संत श्रद्धेय श्री अमृत मुनि जी म.सा आदि संत वृंद पूज्य आचार्यप्रवर के स्वास्थ्य-समाधि व साता-पृच्छा की भावना से सुराणा मार्केट पधारे। साता की अनुभूति होने व स्थान परिवर्तन की व मर्यादा रक्षण की भावना से पूज्य आचार्य भगवन्त 18 अप्रेल को सुराणा मार्केट से विहार कर भगवन्त तिलक नगर स्थित धनश्री साधना भवन पधारे। इसी दिन आयम्बिल ओली की आराधना संपन्न हुई। पाली संघ की आतिथ्य सत्कार वाली भावना प्रमोदजन्य है। आगत संघों का दर्शनार्थ पधारने का क्रम अनवरत बना हुआ है। -जगदीश जैन

शक्तिनगर जोधपुर में उपाध्यायप्रवर श्री मानचंद्रजी म.सा के पावन सानिध्य में धर्माराधना

जोधपुर की पावन धरा पर पूज्य उपाध्याय भगवन्त श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा शक्तिनगर सामायिक स्वाध्याय भवन में सुखसातापूर्वक विराजमान हैं। गुरु भगवन्तों के पावन सानिध्य में निरंतर धर्म ध्यान का ठाठ लगा हुआ है। निरन्तर प्रवचन में संतों की अमृतवाणी सुनने हेतु श्रावक-श्राविकाएं एवं युवावर्ग उत्साहित रहते हैं। प्रातःकाल सूर्योदय के साथ ही युवा साथी सामायिक साधना में उपस्थित होकर तन्मयता से प्रभु प्रार्थना करते हैं। मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनि जी म.सा. अपने प्रवचन में आगम आधारों से व्रत-प्रत्याख्यान एवं प्रतिक्रमण की महिमा का व्याख्यान करते हुए छोटे-छोटे पच्चक्खाण का विश्लेषण कर मर्यादित जीवन जीने हेतु सभी

उपस्थित जनसमूह को वर्तमानकाल की सामायिक, गये काल का प्रतिक्रमण एवं भविष्यकाल के पच्चक्खाण हेतु प्रेरणा कर रहे हैं। साथ ही श्रद्धेय श्री लोकचन्द्र जी म. सा. आगम के छोटे-छोटे उदाहरणों के साथ विशेष संस्कारों को जीवन में धारण करने की महत्ती प्रेरणा कर रहे हैं। सभी संतरत्न उपाध्याय भगवन्त की सेवा के साथ ही तत्त्व जिज्ञासु श्रावक-श्राविकाओं का ज्ञानार्जन करवाने का भी सद्पुरुषार्थ कर रहे हैं। प्रत्येक रविवार को सामूहिक सामायिक का कार्यक्रम चल रहा है, जिसमें स्थानीय लोग उत्साहपूर्वक उपस्थित होकर सामायिक के पाठों का अर्थ, महत्त्व को समझने का प्रयास कर रहे हैं। जहाँ एक ओर रविवार के दिन युवावर्ग आनन्द एवं भ्रमण आदि में व्यस्त रहना चाहता है वहीं श्री जैन रत्न युवक परिषद् जोधपुर के एक आह्वान पर हर माह के अन्तिम रविवार को सामूहिक पारिवारिक सामायिक साधना के कार्यक्रम में 31 मार्च रविवार को शक्तिनगर में प्रातःकाल 7 बजे से ही पूरे जोधपुर के हर क्षेत्र से युवा साथी अपने परिवार सहित शक्तिनगर स्वाध्याय भवन में उत्साह के साथ उपस्थित हुए, लगभग 300 से 400 के आसपास सामूहिक सामायिक की आराधना हुई।

17 अप्रेल बुधवार को भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव धर्म आराधना के साथ मनाया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महावीर जयंती के दिन प्रातःकाल 6:30 बजे से ही नेहरुपार्क सामायिक स्वाध्याय भवन में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा और देखते ही देखते स्वाध्याय भवन का नीचे का परिसर खचाखच भर गया। मधुर व्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनि जी म.सा. एवं तत्त्वचिंतक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनि जी म.सा. संतद्वय ने अपनी अमृतमय वाणी से भगवान महावीर के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालते हुए जीवन में उन सिद्धान्तों को अपनाने की महत्ती प्रेरणा की।

तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोद मुनि जी म.सा. आदि ठाणा जोधपुर के विभिन्न उपनगरों को फरसते हुए 20 अप्रेल 2019 को पावटा स्थानक पधारे हैं और निरन्तर प्रवचन आदि धर्म प्रभावना करते हुए श्रावक-श्राविकाओं को व्रत नियमों में आगे बढ़ने एवं ज्ञान-ध्यान में रुचि जागृत करने की महत्ती प्रेरणा कर रहे हैं। जोधपुर के सभी कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक सेवा कार्य करने को निरन्तर तत्पर है। महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. के उपचार के पश्चात् स्वास्थ्य में निरंतर सुधार की स्थिति है तथा महासती मण्डल सामायिक-स्वाध्याय भवन, घोड़ों का चौक में विराजित है।

दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर जारी है। जोधपुर संघ आतिथ्य सत्कार में उत्साह से तत्पर है।

आदि तीर्थंकर आदिनाथ भगवान् के जन्म कल्याणक एवं पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. के 81वें जन्म दिवस पर देश भर में त्याग–तप की प्रभावना

प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक एवं जिनशासन गौरव परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. के 81वें जन्म दिवस 28.3. 2019 के पावन अवसर पर सन्त सती वर्ग की पावन प्रेरणा से देश के विभिन्न क्षेत्रों में

सामायिक स्वाध्याय की साधना तप त्याग एवं धर्माराधना सम्पन्न हुई। परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में सुराणा मार्केट-पाली में, उपाध्याय प्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. के सानिध्य में शक्तिनगर-जोधपुर में, सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनि जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में पालनपुर में, तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनि जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में शुभम फार्म, पाल रोड, जोधपुर में, साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवर जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में जयपुर में, विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवर जी म.सा. आदि ठाणा की सन्निधि में अजमेर में, विदुषी महासती श्री सौभाग्यवती जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में भायन्दर-मुम्बई में, व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवर जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में आदर्शनगर-अजमेर में, व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबाला जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में हिरीयूर (कर्नाटक) में, व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलता जी म.सा. की सन्निधि में किशनगढ़ में, व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलता जी म.सा. की सन्निधि में निम्बाहेड़ा में, व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा की सन्निधि में हावेरी (कर्नाटक) में, व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा. की सन्निधि में वजीरपुर (हरियाणा) में, सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा की सन्निधि में ताहराबाद (महा.) में, व्याख्यात्री महासती श्री पुष्पलता जी म.सा. आदि ठाणा की सन्निधि में दूदू में, व्याख्यात्री महासती श्री रुचिता जी म.सा. की सन्निधि में बैंगलुरू (कर्नाटक) में, व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा की सन्निधि में शेगांव (महा.) में तथा व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में गंगरार गांव में इस मंगलमय प्रसंग पर सामायिक स्वाध्याय की आराधना के साथ एकासन, उपवास, आयम्बिल, दया, संवर,पौषध आदि की आराधना हुई। जहाँ पर संत सती वर्ग का सानिध्य प्राप्त नहीं हो सका ऐसे स्थानों पर भी मंगलमय प्रसंग को धर्माराधना के साथ मनाया गया है। अनेक क्षेत्रों में आयोजित हुए कार्यक्रम एवं धर्माराधना की संक्षिप्त रिपोर्ट इस प्रकार है-

जयपुर– साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवर जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्राविका मण्डल एवं युवक परिषद्, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को पंच दिवसीय कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। 24 मार्च को आयम्बिल की आराधना, 25 मार्च को गुरु वन्दना, 26 मार्च को गुरु भक्ति, 27 मार्च को गुरु गुणगान अभिव्यक्ति तथा 28 मार्च को सामूहिक एकासन एवं सामायिक व्रत की आराधना। 28 मार्च को प्रवचन सभा में लगभग 500 की उपस्थिति रही। महासती वृन्द ने आचार्यश्री के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर दया, उपवास, आयम्बिल, एकासन की आराधना हुई। अधिकांश श्रावक-श्राविकाओं ने 5-5 सामायिक की साधना की। कुछ श्राविकाओं ने तेले के प्रत्याख्यान भी ग्रहण किए। -सुरेश कोठारी, जयपुर

अजमेर– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ अजमेर द्वारा विदुषी महासती श्री

सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक स्वाध्याय एवं धर्म आराधना के साथ मनाया गया। श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही। प्रवचन सभा में महासतीवृन्द ने गुरूदेव के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एकासन, उपवास एवं आयम्बिल आदि की आराधना हुई। -चन्द्रप्रकाश कटारिया, अजमेर

भायन्दर मुम्बई– श्री वर्धमान जैन स्थानक भायन्दर में विदुषी महासती श्री सौभाग्यवती जी म.सा. आदि ठाणा 5 के सान्निध्य में इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक एवं एकासन दिवस के रूप में धर्माराधना के साथ मनाया गया। महासतीवृन्द ने आदिनाथ भगवान की स्तुति करते हुए आचार्य भगवन्त के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 250- 300 श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। भजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास,एकासन, आयम्बिल पॉच, चार, तीन, दो-दो सामायिक के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। -मंत्री, श्री नरेन्द्र जी डागा, मुंबई

आदर्शनगर अजमेर– आदर्शनगर अजमेर संघ द्वारा व्याख्यात्री महासती श्री मनोहर कंवर जी म.सा. आदि ठाणा 3 के पावन सान्निध्य में इस मंगलमय प्रसंग को त्याग तप के साथ मनाया गया। महासती श्री मनोहरकंवर जी म.सा. महासती श्री कौशल्यावतीजी म.सा. एवं महासती श्री पुनितप्रभा जी म.सा. ने गुणानुवाद करते हुए गुरुदेव के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने अपने विचार व्यक्त किये। आदर्शनगर संघ के अध्यक्ष श्री ललित जी जैन की प्रेरणा से कई जैनेतर भाई-बहन भी प्रवचन सभा में उपस्थित हुए। एक श्राविका ने चोले की तपस्या की तथा अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास एकासन के साथ 5-5 सामायिक व्रत की साधना की। दोपहर में 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप किया गया।

-चन्द्रप्रकाश कटारिया-मंत्री।

मदनगंज– मदनगंज, किशनगढ़ शहर एवं शिवाजी नगर संघ के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलता जी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में इस मंगलमय प्रसंग को एकासन एवं सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पंजाब परम्परा के महासती जी श्री सुप्रज्ञा जी म.सा. आदि ठाणा का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। प्रवचन सभा में महासती वृन्द ने गुरुदेव के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने भी अपनी श्रद्धा की अभिव्यक्ति की। इस अवसर पर लगभग 200 एकासन व उपवास की साधना हुई।

बैंगलोर – श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ बैंगलोर एवं श्री जैन रत्न हितैषी ट्रस्ट बैंगलोर के संयुक्त तत्वावधान में आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 81वाँ जन्म दिवस व्याख्यात्री महासती श्री रुचिता जी म.सा. आदि ठाणा 6 के पावन सान्निध्य में सामायिक स्वाध्याय भवन राजाजी नगर में उत्साह पूर्वक मनाया गया। महासतीवृन्द ने गुरूदेव के संयमी जीवन की व्याख्या करते हुए गुरु के उपकारों का वर्णन किया, साथ ही अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने काव्य एवं वक्तव्य के माध्यम से गुरुदेव के गुणों की स्तुति की। इस अवसर पर 81 उपवास,

200 एकाशन एवं आयम्बिल की आराधना हुई। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने 5-5 सामायिक की साधना की । तथा 27 श्राविकाओं ने संवर की साधना की। कार्यक्रम का सफल संचालन संघ मंत्री श्री गौतमचन्द जी ओस्तवाल ने किया।

दूदू– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ शाखा दूदू द्वारा व्याख्यात्री महासती श्री पुष्पलता जी म.सा. आदि ठाणा 3 के पावन सान्निध्य में इस मंगलमय प्रसंग को पंच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर तप त्याग एवं श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। 24 मार्च को सामूहिक आयम्बिल, 25 मार्च को 108 वन्दना, 26 मार्च को नवकार महामंत्र का जाप, 27 मार्च को 5-5 सामायिक की साधना, 28 मार्च को सामूहिक एकासन व सामूहिक सामायिक की आराधना का कार्यक्रम रखा गया। 'आओ सम्यग् ज्ञानी बने' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जीवदया हेतु राशि प्रदान करने में अनेक श्रावक- श्राविकाओं ने उदारता का परिचय दिया। -विनोद मेहता-अध्यक्ष

हिण्डौनसिटी – श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ हिण्डौन के तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को एकासन व सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर 111 एकासन, 6 उपवास 4 आयम्बिल की आराधना हुई। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने 5-5 सामायिक व्रत की साधना की। प्रातः प्रार्थना से लेकर सायंकालीन प्रतिक्रमण तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। -अशोक जैन, मंत्री

इन्दौर – श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ इन्दौर के तत्वावधान में जानकी नगर स्थानक में इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक स्वाध्याय की साधना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ज्ञानगछीय महासती श्री पुष्पकंवर जी म.सा. का सान्निध्य प्राप्त हुआ। प्रवचन सभा में महासतीवृन्द ने आचार्य प्रवर के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। लगभग100 श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। श्रावक-श्राविकाओं ने 2-2 सामायिक की साधना करने के साथ ही गुरुदेव के गुणगान किये।

-विजय नाहर, क्षेत्रीय प्रधान, इन्दौर

नदबई – श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ नदबई के तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक स्वाध्याय तथा सामूहिक एकासना दिवस के रूप में मनाया गया प्रातः 6 बजे से 12.30 बजे तक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें गुरू हीरा के संयमी जीवन पर गुणानुवाद किये गये। -नरेशचन्द जैन, नदबई

हैदराबाद– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्राविका मण्डल एवं युवक परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक स्वाध्याय एवं त्याग तप के साथ मनाया गया। गुणों की स्तुति भजन हीरा चालीसा एवं जीवन परिचय के माध्यम से गुरु हीरा के गुणों पर प्रकाश डाला गया। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने एकासन, उपवास, पौषध आदि धर्म अनुष्ठानों में भाग लिया। -श्रीपाल देशलहरा, अध्यक्ष

रायचुर– रायचुर संघ के तत्वावधान में ज्ञानगच्छीय महासती श्री प्रवीणाश्री जी म.सा. आदि ठाणा 4 के पावन सान्निध्य में इस मंगलमय प्रंसग को त्याग तप के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लगभग 101 छोटी बडी तपस्याएं हुई जैसे पौरसी, बियासना, एकाशन, उपवास, संवर, 3-3 सामायिक का तेला आदि। प्रवचन सभा में स्थानकवासी

मूर्तिपूजक एवं तेरापंथी श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही। प्रवचन सभा में महासतीवृन्द ने गुरुदेव के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला।

-जतन बाई आबड़ अध्यक्ष श्राविका संघ।

बीजापुर– श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बीजापुर के तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को धर्म ध्यान एवं त्याग तप के साथ मनाया गया। भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं गुरु हीरा का 81वाँ जन्म दिवस एवं आचार्य श्री आनन्दऋषिजी म.सा. का 27वाँ पुण्य स्मृति दिवस के पावन प्रसंग पर 91 श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, आयम्बिल, एकासन, आदि की तपस्या के साथ उपस्थित सभी श्राविका-श्राविकाओं ने 2-2 सामायिक व्रत की साधना की। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने महापुरुषों के गुणानुवाद किये। कार्यक्रम का सफल संचालन संघ मंत्री श्री नितिनजी रूणवाल ने किया।

महवा– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ महवा द्वारा इस मंगलमय प्रसंग को सामूहिक सामायिक व्रत की साधना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं ने 3-3 सामायिक व्रत की साधना की। श्रावक-श्राविकाओं ने गुरुदेव के संयमी जीवन का गुणानुवाद किया तथा उपस्थित अधिकांश श्रावक-श्राविकाओं ने एकासन व्रत एवं संवर की साधना की । एक घंटे का नवकार महामंत्र का जाप रखवा गया। रसीदपुर एवं महवा के श्रावकों की अच्छी उपस्थिति रही। दोनों संघों ने संघ नायक के प्रति त्याग तप के साथ श्रद्धा की अभिव्यक्ति की।

-अशोक जैन, महवा

शाहीबाग अहमदाबाद– श्री राजस्थान स्थानकवासी संघ शाहीबाग के तत्वावधान में पंजाब परम्परा के बहुश्रुत श्रद्धेय श्री जयमुनि जी म.सा. आदि ठाणा 6 के पावन सान्निध्य में इस मंगलमय प्रसंग को त्याग तप पूर्वक मनाया गया। प्रवचन सभा में 250 श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। कतिपय श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, आयम्बिल, एकासन एवं नीवि के प्रत्याख्यान किये। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने गुरुदेव के संयमी जीवन पर विचार व्यक्त किये। राजस्थान संघ के मंत्री श्री सुरेश जी चौरड़िया सहित श्रावक-श्राविकाओं ने गुरुदेव के गुणों की स्तुति की।

-पदमचन्द कोठारी, अहमदाबाद

पीपाड़ सिटी– पीपाड़ संघ द्वारा इस मंगलमय प्रसंग को एकासन व सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। प्रातः 6.30 से 7.30 सामूहिक सामायिक का आयोजन किया गया तथा दोपहर 1 से 3 तक नवकार मंत्र का जाप किया गया। श्रावक-श्राविकाओं ने गुरुदेव के गुणगान करते हुए अपनी श्रद्धा की अभिव्यक्ति की।

अलवर– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, अलवर के तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को सामूहिक सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर उपवास, एकासन एवं आयम्बिल व्रत की आराधना की गई। प्रातः 9.30 से 10.30 बजे तक नवकार मंत्र का सामूहिक जाप रखवा गया। 10.30 से 11.30 बजे तक गुरुदेव के संयमी जीवन पर श्रावकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

नवसारी– नवसारी संघ द्वारा इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक-स्वाध्याय, तप-त्याग के साथ मनाया गया। संघ, युवक परिषद् और महिला मण्डल के सदस्यों ने सामूहिक सामायिक व्रत की आराधना की। इस अवसर पर दरियापुरी सम्प्रदाय की महासती श्री हितेस्विनी जी म.सा. का सान्निध्य प्राप्त हुआ। महासतीवृन्द ने गुरुदेव के संयमी जीवन पर प्रकाश डाला। कतिपय श्रावक-श्राविकाओं ने काव्य के माध्यम से गुरुदेव के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति की।

वर्द्धमान नगर, हिण्डौन सिटी– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, वर्द्धमान नगर के तत्वावधान में इस मंगलमय प्रसंग को सामायिक एवं सामूहिक एकासन के रूप में मनाया गया। दोपहर को आधे घण्टे का नवकार मंत्र का जाप रखा गया। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने 5-5 सामायिक की आराधना की। अष्ट प्रहर पौषध-1 एवं एकासन-8 की साधना हुई। -भागचन्द जैन

रत्नसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाशजी टाटिया का चेन्नई में सम्मान

चेन्नई– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, चेन्नई द्वारा चेन्नई के सामायिक-स्वाध्याय भवन में राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाश जी टाटिया का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में प्रथम विंग टू फ्लाई संस्कार के शिविरार्थियों को संघाध्यक्ष महोदय ने संबोधित किया। सम्मान समारोह में श्रावक संघ के अध्यक्ष प्रेमकुमार जी कवाड़ ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया। श्रावक संघ तमिलनाडू द्वारा वर्षीतप के समस्त आराधकों का भी सम्मान किया गया। संघ के मंत्री ज्ञानचन्द जी बाघमार ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। श्राविका मण्डल व युवक परिषद् की गतिविधियां शशि जी कांकरिया व मांगीलाल जी चोरडिया ने प्रस्तुत की। श्रावक संघ के प्रचार-प्रसार सचिव नरेन्द्र जी कांकरिया ने सभी को धन्यवाद दिया। इसी दिन श्री जैन महासंघ, चेन्नई द्वारा 21 अप्रेल 2019, रविवार को आयोजित भगवान् महावीर जन्म-कल्याणक दिवस के विशेष कार्यक्रम में भी रत्नसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में पधारे।

रत्नसंघ के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं संयुक्त महामंत्री का प्रवास कार्यक्रम

रत्नसंघ के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री बुधमल जी बोहरा-चैन्नई एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री उगमराज जी कांकरिया-चेन्नई ने दिनांक 27 मार्च 2019 को हिरीयूर (कर्नाटक) में व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन एवं प्रवचन श्रवण का लाभ लिया। तत्पश्चात् 28 मार्च 2019 को बैंगलुरू में व्याख्यात्री महासती श्री रुचिता जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन के लिए उपस्थित हुए। दोनों स्थानों पर कार्याध्यक्ष महोदय ने आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित संघ-सदस्यों को संघ की गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान करते हुए

संघ-सदस्यों की संघ-निष्ठा एवं कार्य के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। प्रवास के दौरान स्थानीय पदाधिकारियों से संघ उन्नयन को लेकर विशेष चर्चा हुई।

तप और दान के विशिष्ट पर्व अक्षय–तृतीया पर एकान्तर तप–साधकों से निवेदन

महान् अध्यवसायी, सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. ने पूज्य आचार्य भगवन्त के निर्देशानुसार साधु मर्यादा में रखने योग्य आगारों के साथ तप और दान के विशिष्ट पर्व अक्षय-तृतीया की पाली संघ को स्वीकृति प्रदान की, तब से पाली संघ हर्षित एवं प्रमुदित हैं। तप-साधक पूज्य गुरुदेव के मुखारविन्द से वैशाख शुक्ला तृतीया, मंगलवार, तदनुसार 7 मई 2019 को पाली में तप और दान का महात्म्य श्रवण कर पाली संघ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पारणक करेंगे।

इस अवसर पर संघनायक के श्रीचरणों में उपस्थित होकर जो भी तपस्वी भाई-बहिन दान एवं तप के महात्म्य को श्रवण कर नवीन त्याग प्रत्याख्यान ग्रहण करना चाहते हैं, वे सभी साधक इस अवसर पर अपने पधारने की स्वीकृति नाम एवं सदस्य संख्या का उल्लेख करते हुए संघ के प्रधान कार्यालय नेहरुपार्क जोधपुर, ईमेल- absjrhssangh@gmail.com, फोन नं.0291- 2636763 / 2641445 पर एवं श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, सुराणा मार्केट, पाली-मारवाड़ (राज.) पर अवश्य प्रेषित करावें। पाली के सम्पर्क सूत्र- 1. श्री छगनलालजी लोढ़ा, अध्यक्ष- 94141-21519, 2. श्री रजनीशजी कर्नावट, मंत्री-94141-20745, श्री महिपाल जी रेड, पारणक व्यवस्था प्रभारी- 94141-22779 -धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

संघ की विभिन्न शाखाओं में पदाधिकारियों का मनोनयन

नवसारी दिनांक 9.12.2018 को नवसारी शाखा में अध्यक्ष के रूप में श्री ज्ञानेशजी मुणोत, मंत्री के रूप में श्री दिलीपजी लोढा एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री हरीशकुमारजी जैन का मनोनयन हुआ। श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल के अध्यक्ष के रूप में श्रीमती पुष्पाजी मुणोत, सचिव के रूप में श्रीमती मंजूजी लोढ़ा एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्रीमती ज्योतिजी जैन का मनोनयन हुआ। श्री जैन रत्न युवक परिषद् में अध्यक्ष के रूप में श्री आशीषजी जैन, सचिव के रूप में श्री अनिलजी जैन एवं कोषाध्यक्ष के रूप श्री अपूर्वजी मुणोत का मनोनयन हुआ। श्री जैन रत्न बहु-बालिका मण्डल के अध्यक्ष के रूप में श्रीमती रुचिकाजी जैन एवं सचिव के रूप में श्रीमती मनीषाजी जैन का मनोनयन हुआ।

पचाला– दिनांक 3.2.2019 को पचाला शाखा के अध्यक्ष के रूप में श्री धर्मचन्दजी जैन मंत्री के रूप में श्री योगेशकुमारजी जैन एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री कपूरचन्दजी जैन का मनोनयन हुआ।

बीकानेर– दिनांक 1.3.2019 को बीकानेर शाखा में अध्यक्ष के रूप में श्री इन्द्रमलजी सुराणा, मंत्री के रूप में श्री नवीनजी डागा एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री महेन्द्रजी सुराणा का मनोनयन हुआ।

गोपालगढ़ भरतपुर– दिनांक 17.3.2019 को गोपालगढ भरतपुर शाखा में अध्यक्ष के रूप में श्री बाबूलालजी जैन सिमको वाले तथा मंत्री के रूप में श्री पारसचन्दजी जैन एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री मनोजकुमारजी जैन का मनोनयन हुआ।

कोटा– दिनांक- 28.3.2019 को कोटा शाखा में अध्यक्ष के रूप में श्री बुद्धिप्रकाशजी जैन-मंत्री के रूप में श्री जगदीशप्रसादजी जैन एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री ज्ञानचन्दजी लोढ़ा का मनोनयन हुआ।

संघ की जिन शाखाओं में नवीन पदाधिकारियों का मनोनयन हो गया है, उन्हें संघ द्वारा हार्दिक बधाई। साथ ही शेष शाखाओं से निवेदन है कि वे अपने यहाँ नवीन पदाधिकारियों का शीघ्र मनोनयन कर सूचना संघ कार्यालय को भिजवाने का श्रम करावें।

संघ एवं संघीय संस्थाओं की बैठकें सानंद संपन्न

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की संचालन समिति की बैठक दिनांक 13-14 अप्रेल को पाली में न्यायमूर्ति श्री प्रकाशजी टाटिया की अध्यक्षता में सानंद संपन्न हुई।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल की प्रथम कार्यकारिणी बैठक दिनांक 29 मार्च 2019 को पाली में श्राविका रत्न श्रीमती मंजुजी भण्डारी की अध्यक्षता में सानंद संपन्न हुई।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् की प्रथम कार्यकारिणी बैठक दिनांक 6 अप्रेल 2019 को पाली में युवा रत्न श्री मनीषजी मेहता की अध्यक्षता में सानंद संपन्न हुई। बैठक में रत्नसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाशजी टाटिया का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

संचालन समिति के सदस्यों तथा श्राविका मण्डल की कार्यकारिणी सदस्याओं ने एवं युवक परिषद् के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक उपर्युक्त बैठकों में भाग लेकर संघ की गतिविधियों पर चिन्तन किया। उपर्युक्त बैठकों की संपूर्ण व्यवस्था में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ पाली, श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल पाली, श्री जैन रत्न युवक परिषद् पाली का अपूर्व सहयोग रहा।

श्राविका मण्डल की शोरापुर और पल्लीपट्ट में नई शाखा का गठन

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल की कार्याध्यक्ष श्रीमती सुशीला जी भंडारी-रायचूर, उपाध्यक्ष श्रीमती विमला जी भंडारी-रायचूर सहित अन्य पदाधिकारी 9.4.2019 को शोरापुर पधारे। यहां पर श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, शोरापुर शाखा का गठन किया गया। शाखा अध्यक्ष के रूप में श्रीमती सविता जी छाजेड़ तथा सचिव के रूप में श्रीमती बसन्ता जी आंचलिया को मनोनीत किया गया। इसी दिन श्राविका मण्डल की परामर्शदाता श्रीमती मधु जी सुराणा-चेन्नई, तमिलनाडू संभाग की क्षेत्रीय प्रधान श्रीमती विमला जी चोरडिया-चेन्नई तथा क्षेत्रीय संयोजक श्रीमती जयंती जी बाघमार-चेन्नई पल्लीपट्ट पधारे, यहां भी नई शाखा का गठन

किया गया। शारवा अध्यक्ष के रूप में श्रीमती कमला जी मेहता को तथा सचिव के रूप में श्रीमती विजया जी लुणिया को मनोनीत किया गया। - अलका दुधेड़िया, महासचिव

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद द्वारा ग्रीष्मकालीन नैतिक एवं धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित करने हेतु आह्वान

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् के तत्वावधान में आगामी '18 मई से 2 जून 2019 तक ग्रीष्मकालीन नैतिक एवं धार्मिक संस्कार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

आयु सीमा 6 वर्ष से 20 वर्ष समय 2-3 घंटे प्रतिदिन (15 दिवस)

शिविर में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड जोधपुर के पाठ्यक्रम द्वारा अध्ययन करवाया जाएगा। विभिन्न धार्मिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से बालकों में नैतिक एवं धार्मिक संस्कार प्रदान किए जाएंगे। श्री जैन रत्न युवक परिषद् के सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि आप अपने अपने क्षेत्रों में शिविर का आयोजन करे, शिविर के आवेदन पत्र पूर्ण करवाकर, शिविरार्थियों की संख्या की जानकारी हमें प्रदान करें ताकि शिविर संबंधित सामग्री व पारितोषिक आपको यथा शीघ्र उपलब्ध कराये जा सके । जो भी क्षेत्र शिविर आयोजित करने के इच्छुक हो वे निम्नांकित पते पर संपर्क करें- राजीव नाहर, सूरत मो. 9375165765 धार्मिक शिक्षण शिविर (उपाध्यक्ष), रोहित बलाई मो. नं. 9825376491 धार्मिक शिक्षण शिविर (सचिव), महावीर बागरेचा मो. नं. 9314307771 धार्मिक शिक्षण शिविर (सहसचिव)।

-अमित हीरावत, महासचिव

श्री जैन रत्न युवक परिषद् जोधपुर के युवाओं की संगोष्ठी व स्नेह मिलन कार्यक्रम सानंद संपन्न

श्री जैन रत्न युवक परिषद् जोधपुर द्वारा युवा रत्न संगोष्ठी एवं स्नेह मिलन का कार्यक्रम शाही बाग जोधपुर में रविवार दिनांक 7 अप्रेल 2019 को आयोजित किया गया। आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचंद्र जी म. सा. के आज्ञानुवर्ती तत्वचिंतक श्रद्धेय श्री प्रमोद मुनि जी म.सा. एवं श्रद्धेय श्री अशोकमुनि जी म.सा. एवं व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में सामूहिक सामायिक साधना का कार्यक्रम रखा गया। संगोष्ठी में युवा रत्न एवं उनके पारिवारिकजनों की लगभग 600 की उपस्थिति रही। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाशजी टाटिया पधारे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री धनपतजी सेठिया, जोधपुर रत्न संघ के अध्यक्ष श्री सुभाषजी गुंदेचा तथा अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष जी मेहता जयपुर आदि गणमान्य लोगों ने पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। संगोष्ठी में श्री श्रीकांत जी गुप्ता द्वारा 'कभी ना रूठे, परिवार कभी ना टूटे' विषय पर उद्बोधन दिया गया। 'धोवन पानी निर्दोष जिन्दगानी' विषय पर श्री तरूण जी बोहरा-जोधपुर ने विशेष जानकारी प्रदान की। रत्नसंघ एप्प के बारे में श्री विकास जी गुन्देचा ने सभी सदस्यों को बताया। तत्पश्चात विभिन्न प्रकार की जानकारियों के साथ रुचिकर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। श्री जैन रत्न युवक परिषद्, जोधपुर के अध्यक्ष श्री गजेंद्र जी चौपड़ा एवं अ. भा. श्री

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के कार्यालय प्रभारी श्री कमलेश जी मेहता ने प्रश्नमंच, अन्त्याक्षरी जैसी मनोरंजक प्रतियोगिताओं से सभी को लाभान्वित किया।

-लोकेश कुम्भट, सचिव

व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा.का सफल ऑपरेशन

सूर्यनगरी जोधपुर में विराजित व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. के स्पाईन का दिनांक 16.3.2019 को मेडिपल्स अस्पताल में मुम्बई से पधारे कुशल चिकित्सक श्री अरविन्दजी कुलकर्णी एवं उनकी टीम द्वारा सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के पूर्व तथा पश्चात् स्थानीय डॉ. अभिषेकजी तातेड़, डॉ. महेन्द्रजी जैन (लोढ़ा), डॉ नवीनजी मेवाड़ा का भी विशेष सहयोग रहा। महासतीवृन्द्र के स्वास्थ्य में निरन्तर सुधार हो रहा है। डॉ. कुलकर्णी से जोधपुर पधारने की स्वीकृति प्राप्त करने में संघ संरक्षक मण्डल के संयोजक श्री मोफतराज जी मुणोत मुम्बई का विशेष सहयोग रहा। श्रमणोचित ओषधोपचार में जयपुर संभाग के क्षेत्रीय प्रधान श्री सुमतिचन्दजी कोठारी, संघ महामंत्री श्री धनपतजी सेठिया, चिकित्सा समिति के उपाध्यक्ष श्री मनमोहनजी कर्नावट अ.भा. श्राविका मण्डल की सचिव श्रीमती श्वेताजी कर्नावट, जोधपुर संघ के अध्यक्ष श्री सुभाषजी गुन्देचा, स्थानीय श्राविका मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती सुमनजी सिंघवी सहित जोधपुर संघ, श्राविका मण्डल तथा युवक परिषद् के सभी सदस्यों की महनीय सेवाएं प्राप्त हुई। साथ ही मेडिपल्स अस्पताल के पास स्थित चारपाई शोरूम के टाटिया परिवार का भी विशेष सहयोग रहा। स्वाध्याय संघ के संयोजक एवं वीरभ्राता श्री सुभाषजी हुण्डीवाल एवं उनके पूरे परिवार की महासती वृन्द के स्वास्थ्य लाभ में सक्रिय सेवाएं रही। युवारत्न श्री नरोत्तमजी चौपड़ा की उल्लेखनीय सेवाएं रही।

पल्लीवाल क्षेत्र के स्वाध्यायियों का स्वाध्यायी सम्मेलन गंगापुर सिटी में सानन्द सम्पन्न

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर एवं पल्लीवाल शाखा के संयुक्त तत्वावधान में स्वाध्यायियों का सम्मेलन दिनांक 21 अप्रैल, 2019 को महावीर भवन, गंगापुर सिटी में आयोजित किया गया। स्वाध्यायी सम्मेलन में भरतपुर, नदबई, करौली, खेरली, हिण्डौन सिटी, फाजिलाबाद, खौह, सवाई माधोपुर एवं स्थानीय गंगापुर सिटी के लगभग 45 स्वाध्यायी भाई-बहिनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय संघ के अध्यक्ष श्री जितेन्द्रसिंह जी जैन 'थानेदार साहब' ने की। श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ के संयोजक श्री सुभाष जी हुण्डीवाल ने स्वाध्याय संघ की जानकारी देते हुए सभी स्वाध्यायियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए तथा इस वर्ष पर्युषण पर्व में स्वाध्यायी सेवा देने हेतु प्रभावी प्रेरणा की। प्रचार-प्रसार संयोजक श्रीमती सुशीला जी गुलेच्छा ने संघ की ओर से किये जा रहे कार्यों की प्रभावी प्रेरणा करते हुए वहां उपस्थित श्राविकाओं से स्वाध्याय सेवा देने हेतु निवेदन किया जिसके फलस्वरूप चार श्राविकाओं ने स्वाध्यायी सदस्यता ग्रहण कर इस वर्ष पर्युषण पर्व में अपनी सेवाएं देने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन पल्लीवाल क्षेत्र के संयोजक श्री नरेश जी जैन- नदबई एवं सह-संयोजक श्री शीतल जी जैन-गंगापुर सिटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पधारे हुए स्वाध्यायियों ने अपने विचार रखें एवं स्वाध्याय संघ को कैसे आगे बढ़ाया जायें इस हेतु अपने सुझाव भी प्रस्तुत किये।

अन्त में श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ के कार्यालय प्रभारी श्री धीरज जी डोसी द्वारा आवश्यक सूचनाएं सभी स्वाध्यायियों को प्रदान की गई एवं सभी पधारे हुए स्वाध्यायी भाई-बहिनों को स्मृति चिह्न स्थानीय संघ द्वारा प्रदान किये गए। इस सम्मेलन में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ गंगापुर सिटी के मंत्री श्री राकेश जी जैन, वीरपिता श्री श्रवण कुमार जी जैन- गंगापुर सिटी, वीरपिता डॉ विमलचंद जी जैन- वर्द्धमान नगर हिण्डौन सिटी, वीरभ्राता श्री चंद्रप्रकाश जी जैन- करौली, वीरभ्राता श्री विमलचंद जी जैन, अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के क्षेत्रीय प्रधान श्री राजकुमार जी जैन- पहरसर एवं सवाई माधोपुर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेश जी जैन 'कुश्तला वाले' भी उपस्थित थे। -नरेश जैन, संयोजक पल्लीवाल क्षेत्र

पोरवाल क्षेत्र में स्वाध्याय प्रचार–प्रसार यात्रा सम्पन्न

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ द्वारा दिनांक 20 से 21 अप्रैल, 2019 तक पोरवाल क्षेत्र के कुस्तला, खांजना, इन्द्रगढ़, सुमेरगंज मण्डी आदि क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रचार कार्यक्रम में स्वाध्याय संघ के संयोजक श्री सुभाष जी हुण्डीवाल, प्रचार-प्रसार संयोजक श्रीमती सुशीला जी गुलेच्छा, पोरवाल शाखा के संयोजक श्री महावीर जी जैन, सह-संयोजक श्री रविन्द्र जी जैन, कार्यालय प्रभारी श्री धीरज जी डोसी एवं प्रचारक श्री आनंद जी जैन की महनीय सेवाएं प्राप्त हुई। सभी स्थानों पर नये स्वाध्यायी बनाने, पर्युषण में स्वाध्यायी बुलाने शिक्षण बोर्ड की परीक्षाओं में भाग लेकर ज्ञान वृद्धि करने, धार्मिक पाठशाला प्रारम्भ करने के साथ ही संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं की चल रही गतिविधियों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान आगामी पर्युषण महापर्व 27 अगस्त से 03 सितम्बर, 2019 हेतु स्वाध्यायियों से पर्युषण में पधारने हेतु स्वीकृति प्राप्त की गई तथा चार क्षेत्रों से पर्युषण पर्व में स्वाध्यायी बुलाने हेतु मांग प्राप्त की गई। नये स्वाध्यायी बनाने की प्रेरणा के तहत तीन नये स्वाध्यायी बनाये गए। शिक्षण बोर्ड परीक्षा की जानकारी देते हुए सभी स्थानों पर फॉर्म वितरण किये गये एवं चल रही पाठशालाओं का निरीक्षण भी किया गया। साथ ही साथ सभी श्रावक-श्राविकाओं को स्थानक भवन में पधार कर सामायिक स्वाध्याय करने की प्रभावी प्रेरणा की गई।

-सुनील संकलेचा-सचिव

केन्द्रीय स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर 04 जून को जोधपुर में

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर द्वारा दिनांक 4 से 9 जून 2019 तक स्वाध्यायी शिविर परमश्रद्धेय उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. के पावन सान्निध्य में जोधपुर में आयोजित किया जा रहा है। उक्त शिविर में वे ही

स्वाध्यायी भाई-बहन भाग ले सकेंगे जो इस वर्ष पर्युषण महापर्व में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में भाग लेने वाले स्वाध्यायी बन्धुओं को प्रतिक्रमण कण्ठस्थ होना अनिवार्य है। शिविर की अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें- श्री सुभाष जी हुण्डीवाल-संयोजक, 9460551096, श्री सुनील जी संकलेचा-सचिव, 9413844592, श्री धीरज जी डोसी-कार्यालय प्रभारी, 9462543360, 0291-2624891, 9414126279। -सुभाष हुण्डीवाल, संयोजक

शिक्षण बोर्ड की आगामी परीक्षा 21 जुलाई 2019 को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की कक्षा 1 से 12 तक की आगामी परीक्षा दिनांक 21 जुलाई-2019, रविवार को दोपहर 12.30 बजे से आयोजित की जाएगी।

1. परीक्षा, ज्ञान वृद्धि का प्रमुख साधन है। क्रमबद्ध एवं सही ज्ञान ही व्यक्ति को हित-अहित की जानकारी कराता है। अतः ज्ञान बढ़ाने एवं सुसंस्कार पाने हेतु आप स्वयं भी परीक्षा दे तथा अन्य भाई-बहनों को भी परीक्षा में भाग लेने की प्रभावी प्रेरणा कर धर्म दलाली का लाभ प्राप्त करें।
2. कम से कम 10 परीक्षार्थी होने पर नया परीक्षा केन्द्र प्रारंभ किया जा सकता है।
3. परीक्षा से सम्बन्धित पुस्तकें शिक्षण बोर्ड कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।
4. सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार व मेरिट में आने वालों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
5. परीक्षा में भाग लेने हेतु आवेदन-पत्र भरकर जमा कराने की अंतिम तिथि 21 जून-2019 है।

परीक्षा सम्बन्धी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें- शिक्षण बोर्ड कार्यालय- सामायिक-स्वाध्याय भवन, नेहरु पार्क, जोधपुर-342003 (राज) 291-2630490। -सुभाष नाहर, सचिव

स्वाध्याय भवन चैन्नई में महावीर ज्ञान पाठशाला एवं व्याख्यानमाला का शुभारंभ

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, चैन्नई के तत्वावधान में दिनांक 13 अप्रेल 2019 को स्वाध्याय भवन साहुकारपेठ, चैन्नई के प्रांगण में महावीर ज्ञान पाठशाला का शुभारम्भ हुआ। ज्ञान पाठशाला के अन्तर्गत प्रत्येक शनिवार को प्रातः 7 से 9 बजे तक विशिष्ट स्वाध्यायी बन्धुओं द्वारा बाल एवं युवा पीढी को ज्ञानार्जन करवाया जायेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री रमेश जी जांगडा ने देव-गुरु-धर्म विषय पर प्रकाश डाला इस अवसर पर अनेक युवा साथियों के साथ श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही। रत्नसंघ, चेन्नई के तत्वावधान में प्रतिमाह व्याख्यान माला का भी शुभारम्भ किया गया है। इस बार युवारत्न श्री राजेश जी ललवानी ने जैन दर्शन एवं विज्ञान विषय पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। व्याख्यान माला में जिज्ञासु श्रोता उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। -आर नरेन्द्र कांकरिया, प्रचार प्रसार सचिव

'दृष्टि' रविवारीय पाठशालाओं का आयोजन जयपुर में

पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. की पावन प्रेरणा से बच्चों में धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए श्री जैन रत्न युवक परिषद् जयपुर द्वारा दृष्टि रविवारीय पाठशाला जयपुर के निम्नांकित चार केन्द्रों पर संचालित की जा रही हैं- 1. रामबाग सर्किल, सुबोध एम.बी.ए. ब्लॉक 2. महावीर भवन, किरणपथ, मानसरोवर 3. सुबोध गर्ल्स कॉलेज, सांगानेर, 4. नित्यानन्दनगर। चारों केन्द्रों पर विशिष्टि अध्यापकों द्वारा प्रशिक्षण का एवं संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा व्यवस्था का कार्य संपन्न किया जा रहा है। अभिभावकों से विनम्र निवेदन है कि आप अपने बच्चों को रविवारीय पाठशाला में अवश्य भिजवाने का लक्ष्य रखें।

-प्रकाश लोढ़ा, शारवा सचिव

स्वाध्यायी संगोष्ठियों का सफल आयोजन सवाई माधोपुर में

आगम स्वाध्याय व ज्ञानवर्द्धन हेतु नगर परिषद् क्षेत्र सवाई माधोपुर में सामायिक स्वाध्यायी संगोष्ठियों का आयोजन निरंतर चल रहा है। 3 मार्च को महावीर नगर, 10 मार्च को आवासन मण्डल, 17 मार्च को सवाई माधोपुर शहर, 24 मार्च को आलनपुर, 31 मार्च को बजरिया में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नगर परिषद् क्षेत्र के सभी श्रावक श्राविका उत्साह पूर्वक भाग ले रहे हैं। वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री कुशलजी गोटेवाला, व्याख्याता श्री धर्मेन्द्र कुमार जी जैन, व्याख्याता श्री बुद्धिप्रकाशजी जैन निरंतर आगम का स्वाध्याय करवा रहे हैं। स्वाध्यायी भाई-बहिनों की ज्ञान के प्रति रुचि अभिनन्दनीय है। -धनसुरेश जैन-महावीर नगर

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को प्राप्त साभार

संघ–सहयोग

2100/- श्री बस्तीमलजी, श्रीमती धनवन्तीदेवी जी श्रीश्रीमाल धुंधाड़ावाले शिमोगा (कर्नाटक) अपने सुपुत्र चिं. अमित कुमार का शुभ विवाह सौ. स्नेहा सुपुत्री श्री महेन्द्रसा बाफना गदग के संग दिनांक 20 फरवरी 2019 को सानन्द संपन्न होने पर।

2100/- श्री आर.प्रसन्नराजजी दिनेशकुमारजी, राजकुमारजी बोथरा मेहता, चैन्नई।

2100/- श्री राजेन्द्र जी जैन, जोधपुर। धर्मसहायिका श्रीमती विमला जी जैन के दूसरे वर्षीतप के उपलक्ष्य में जीवदया हेतु।

2000/- सुश्री निधि जी रेड सुपुत्री श्री महेन्द्र जी रेड, जोधपुर। संघ सहयोग

1000/- श्री हर्षजी मेहता, यूएसए, जीवदया हेतु

500/- श्री मोहनराजसा चामड़, बैंगलोर, जीवदया हेतु

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर को प्राप्त साभार

10000/-श्री मूलचंदसा, सुशीलादेवीजी, संजुसा, हर्षाजी, हर्षितजी बाफना, जोधपुर संघ सहयोग

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, को प्राप्त साभार

15000/-डॉ. अजीतराजजी जैन-भड़गांव (महा.), पुस्तक प्रकाशन के लिए

5100/- श्री स्वरुपचन्दजी बाफना, सूरत पूज्य मातुश्री श्रीमती सीतादेवीजी बाफना के दिनांक 3 फरवरी 2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पावन स्मृति में

1101/- श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, धुलिया (महाराष्ट्र)

1100/- श्री दिलखुशराज जी मेहता, गोरेगांव, मुम्बई

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र, को प्राप्त साभार

100000/-श्रीमती कमलादेवी दुलीचन्द बाघमार चेरिटेबल ट्रस्ट, किल्पाक, चैन्नई

8500/- श्री प्रवीण कुमारजी, पदमा जी, मनोज जी, शैलेष जी, रक्षिता जी, सिद्धार्थ जी संकलेचा, कुम्भकोणम, चैन्नई, पूज्य मातुश्री श्रीमती सुशीला जी संकलेचा की पावन स्मृति में।

सामायिक उपकरण संघ कार्यालय में उपलब्ध

आपको सूचित करते हुए हर्ष है कि सामायिक उपकरण का सेट जिसमें दुपट्टी, चोलपट्टा, आसन, पूँजणी, मुँहपत्ती, माला तथा प्रतिक्रमण की पुस्तक सम्मिलित है, संघ कार्यालय में लागत मूल्य से भी कम रियायती दर पर 200/- रुपये में उपलब्ध है। जोधपुर से बाहर मंगवाने पर पार्सल खर्च अतिरिक्त देय होगा।

-अ.भा.श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, सामायिक-स्वाध्याय भवन, प्लॉट नं.2, नेहरुपार्क, जोधपुर-342003 (राज.), फोन नं.0291-2636463

संघ–सेवा सोपान में सहयोग दीजिए

संघ-सेवा, कर्म-निर्जरा का कारण है, इसलिए प्रत्येक सदस्य का कर्त्तव्य है कि वह तन-मन-धन और समर्पित भाव से संघ-सेवा में उत्तरोत्तर प्रगति करे। संघ अपनी सहयोगी संस्थाओं और शाखाओं के माध्यम से प्रत्येक संघ सदस्य तक पहुँचने के उद्देश्य के साथ ही ज्ञान-दर्शन चारित्र की अभिवृद्धि, स्वधर्मी-वात्सल्य एवं संघ-संगठन के कार्य में निरन्तर गतिशील है। प्रत्येक परिवार संघ के विकास और उद्देश्यों की पूर्ति में तन-मन-धन से यथाशक्ति योगदान करें, इस पुनीत लक्ष्य से संघ ने संघ-सेवा सोपान योजना प्रारम्भ की है। संघ-सेवा सोपान योजना के अन्तर्गत संघ के कार्यो के चहुँमुखी विकास हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए दीर्घकालीन योजना का प्रारूप संघ-कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। आप संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं द्वारा संचालित प्रवृत्तियों के कुशल संचालन के लिए संघ द्वारा प्रस्तावित विभिन्न श्रेणियों का अवलोकन कर संघ के सहयोगी बनने का लक्ष्य रखें। दानदाताओं के नाम समाचार पत्र रत्नम् में प्रकाशित किये जायेंगे। आपका सहयोग संघ का आधार है। आपके सहयोग, सुझाव एवं मार्गदर्शन से संघ चहुँमुखी विकास एवं प्रगति करेगा, ऐसा विनम्र विश्वास है।

-बसंत जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अ.भा.श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

आगामी पर्व

वैशाख कृष्णा	8	शनिवार	27.04.2019	अष्टमी
वैशाख कृष्णा	14	शुक्रवार	03.05.2019	चतुर्दशी
वैशाख कृष्णा	30	शनिवार	04.05.2019	पक्खी पर्व
वैशाखा शुक्ला	3	मंगलवार	07.05.2019	अक्षय तृतीया (वर्षीतप पारणा), आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमलजी म.सा. का 90वाँ आचार्य पदारोहण दिवस एवं आचार्य पुज्य श्री कजोड़ीमल जी म.सा. का 140वाँ पुण्य–स्मृति दिवस
वैशाख शुक्ला	8	रविवार	12.05.2019	आचार्य भगवंत पूज्य श्री हस्तीमलजी म.सा. का 28वाँ पुण्य स्मृति दिवस
वैशाख शुक्ला	10	मंगलवार	14.05.2019	भगवान महावीर केवल कल्याणक
वैशाख शुक्ला	11	बुधवार	15.05.2019	संघ स्थापना दिवस
वैशाख शुक्ला	15	शनिवार	18.05.2019	पक्खी पर्व
ज्येष्ठ कृष्णा	5	गुरुवार	23.05.2019	आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 29वाँ आचार्य पदारोहण दिवस
ज्येष्ठ कृष्णा	6	शुक्रवार	24.05.2019	परम्परा के मूल पुरुष पूज्य श्री कुशलचंद जी म.सा. का 236वाँ पुण्य–स्मृति दिवस

BOOK PACKETS CONTAINING PERIODICALS Value of Periodical From Rs.1/- to Rs.20/- For First 100 gms or part thereof Rs. 2/-

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक धनपत सेठिया द्वारा अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, नेहरु पार्क, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित, सम्पादक–प्रकाश सालेचा एवं इण्डियन मैप सर्विस, सेक्टर–जी, राममन्दिर के पास, शास्त्रीनगर, जोधपुर से मुद्रित

Website- www.ratnasangh.com, Email : absjrhssangh@gmail.com

इस अंक का सौजन्य- गुरुभक्त संघनिष्ठ श्री कनकराज जी महेन्द्र जी कुम्भट-जोधपुर, मुम्बई